केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 153 शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

प्रभात के मौत मामले में निष्पक्ष जांच की मांगः सौपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गत 18 दिसम्बर को लखनऊ में कांग्रेस पार्टी के विधानसभा घेराव के दौरान प्रदर्शन में शामिल गोरखपुर के प्रभात पाण्डेय की मौत हो गई थी। कांग्रेस पार्टी की ओर से पीड़ित परिवार को 10 लाख की अहेतुक सहायता दी गई थी। गुरूवार को पार्टी के जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' की अगुवाई में जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर उपरोक्त मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई।

कांग्रेस नेता ने कहा प्रभात पाण्डेय की मौत पुलिस की बर्बरता का नतीजा है। पीड़ित परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदना है और उनके साथ पार्टी खड़ी है। प्रभात अपने माता पिता का इकलौता बेटा था। यह घटना परिवार के लिये किसी वज्रपात से कम नही है। मामले की जांच चल रही है। कांग्रेस पार्टी प्रभात पाण्डेय की मौत मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करती है। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से मो. रफीक खां, अनिल कुमार भारती, रामभवन शुक्ल, कौशल कुमार त्रिपाठी, लालजीत पहलवान, विश्वनाथ चौधरी, गिरजेश पाल, आशुतोष पाण्डेय एडवोकेट, गंगा मिश्रा, बृजेश पाण्डेय, अजमतुल्लाह, महेन्द्र श्रीवास्तव, डा. मारूफ अली, अवधेश सिंहरु प्रदीव वर्मा, लक्ष्मी यादव, डीएन शास्त्री, मदनलाल, राजकुमार सोनकर, इजहार अहमद, अलीम अख्तर, सर्वेश शुक्ल, आनंद निषाद आदि मौजूद रहे।

ट्रेन से कटकर एक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थानाक्षेत्र स्थित बहेरिया और बरगाह बिलौरी के बीच 45 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस शव कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त कराने की कोशिश कर रही है। पहचान नहीं होने के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा कराकर शव को मोर्चरी में भेज दिया। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र स्थित बहेरिया के कुछ लोग सुबह रेलवे लाइन की तरफ घूमने गए थे। उन्होंने बहेरिया व बरगाह बिलौरी गांव के बीच रेलवे लाइन पर एक व्यक्ति का खून में सना शव देखा। शव क्षत–विक्षत था। उन्होंने शोर मचाया। उनका शोर सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए। किसी ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। उधर ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति की मौत हो जाने की सूचना रेलवे प्रशासन ने मेमो के जरिए वाल्टरगंज थाने की पुलिस को दी। वाल्टरगंज थाने की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस कर्मियों ने वहां मौजूद लोगों से शव की शिनाख्त कराने की कोशिश की लेकिन कोई भी उसे पहचान नहीं सका।

नाई ने दिया गला काटने की धमकी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र के सोनहा बाजार में एक नाई ने एक युवक को गला काटने की धमकी दे डाली। पीड़ित युवक की सूचना पर 112 की पुलिस जांच–पड़ताल में जुट गई। जानकारी के अनुसार एक युवक दूसरे समुदाय की दुकान पर बाल और दाढ़ी बनवाने गया था। पीड़ित युवक का आरोप है कि नाई ने दाढ़ी में साबुन लगाते वक्त कहा कि गले में क्या पहने हो। पीड़ित ने बताया कि रुद्राक्ष का माला है। तो नाई ने धमकी देते हुए कहा कि एक आदमी यही माला पहना था मैंने उसकी गर्दन काट दी थी। इतने में युवक दुकान से बाहर भागा और डायल 112 को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों का नाम नोट करने के बाद पूछताछ की। प्रभारी निरीक्षक मोतीचंद राजभर ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है, जांच कराकर आरोपित के खिलाफ कारवाई की जाएगी।

सिख और हिंदू एक दूसरे के पूरक लड़ाने की कोशिश स्वीकार्य नहीं– योगी

लखनऊ (आभा)। सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान को नमन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें यह देखना होगा कि कौन वह लोग हैं जो युवा पीढ़ी को रक्त की चपेट में लाने की कोशिश कर रहे हैं। कौन वो लोग हैं जो सिख और हिंदू को लड़ाने की कोशिश कर रहे हैं। सिख–और हिंदू एक दूसरे के पूरक हैं, जो इन्हें लड़ाते हैं, उनसे बचना होगा। मुख्यमंत्री आवास पर गुरुवार को वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) का मुख्य आयोजन किया गया। इस दौरान ऐतिहासिक समागम व 11,000 सहज पाठ का भी शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री ने गुरु तेग बहादुर के श्लोकों पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री का सिख और हिन्दुओं को लड़ाने को लेकर संबोधन ऐसे समय पर आया है जब दो दिन पहले ही पीलीभीत में खालिस्तान समर्थक तीन आतंकियों को यूपी पुलिस ने मार गिराया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के इस जुझारू व समृद्ध कौम ने सामर्थ्य, पुरुषार्थ व परिश्रम से मिसाल प्रस्तुत की है। कभी बड़ी संख्या में फौज में जाकर सिखों ने भारत की सुरक्षा के लिए खुद को समर्पित किया, लेकिन वे कौन दुश्मन हैं, जो उनके परिश्रम व पुरुषार्थ को कुंद करने की साजिश कर रहे हैं। युवा पीढ़ी को ड्रग की चपेट में लाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। इन्हें पहचानने और उनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। सिख–हिंदू एक दूसरे के पूरक हैं, जो इन्हें लड़ाते हैं, उनसे बचना होगा। गुरु महाराज हमें मित्र–शत्रु पहचानने की ताकत दें।

योगी ने कहा कि सिख परंपरा काफी समृद्ध है। इन्होंने विपरीत परिस्थितियों में लड़ते हुए न केवल अपनी परंपरा को सुरक्षित–संरक्षित रखा, बल्कि देश व धर्म के लिए भी बलिदान देकर नई प्रेरणा प्रदान की। एक तरफ इनका गौरवशाली इतिहास है तो दूसरी तरफ सुनते हैं कि काबुल में सिखों के दो, चार–दस परिवार ही बचे हैं। जब बांग्लादेश की घटना व पाकिस्तान के अंदर अत्याचार के बारे में सुनते हैं, तब सिख गुरुओं के त्याग–बलिदान का स्मरण होता है।

सिख गुरुओं के आदर्श हमें आगे बढ़ने की ऊर्जा देंगे। उनका आशीर्वाद हमारी प्रेरणा है। उस प्रेरणा से आगे बढ़ेंगे, तब काबुल–बांग्लादेश होने से बच पाएंगे, तब किसी ननकाना साहिब के लिए आंदोलन–संघर्ष की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि वह हमें स्वतस्फूर्त भाव से प्राप्त होगा। कहा कि 2019 में गुरुनानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री आवास पर शबद–कीर्तन कार्यक्रम हुआ था। उसके उपरांत 2020 से अनवरत वीर बाल दिवस का आयोजन मुख्यमंत्री आवास पर हो रहा है। अब यह पूरे देश का आयोजन हो गया है। आज की तिथि पर गुरु गोबिंद सिंह के दो साहिबजादे (बाबा जोरावर सिंह–फतेह सिंह) वजीर खां के हाथों दीवार में चुने गए थे। चमकौर के युद्ध में दो बड़े साहिबजादे (बाबा अजीत सिंह–जुझार सिंह) शहादत को प्राप्त हुए। मां गुजरी इसे बहुत अधिक समय तक बर्दाश्त नहीं कर पाईं।

गरीब मरीजों के लिये निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर बडा अवसर- डा. रामजी राव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को बस्ती, संतकबीरनगर सीमा पर स्थित संस हास्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर टेमा का 6 वां स्थापना दिवस उल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर संस वेलफेयर फाउन्डेशन द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण, जांच के साथ 249 मरीजों में निःशुल्क दवायें उपलब्ध करायी गई। शिविर का उद्घाटन करते हुये एस. चन्द्रा ने कहा कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक संकट के कारण अनेक मरीज अस्पतालों तक नहीं आते और उनका मर्ज बढता रहता है। ऐसे लोगों के लिये निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर वरदान की तरह है। संस वेलफेयर फाउन्डेशन के एम.डी. डा. रामजी राव ने कहा कि पूरा प्रयास होता है कि अत्यन्त अल्प राशि में मरीजों को बेहतर इलाज हो। समय–समय पर निःशुल्क शिविर भी लगाये जाते हैं।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

–निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 249 मरीजों का उपचार

में डा. अमित नायक, डा. नियाज अहमद, डा. एम.पी. सिंह, डा. हरप्रीत कौर, डा. इकबाल अहमद के साथ ही फार्मासिस्ट विजय पाल सागर, अमर सिंह के साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों दीपक, मंगल सिंह राव, राकेश, सत्येन्द्र, अभिषेक, बसन्त निगम, अमरदीप, फातिमा, ममता चौधरी, दीपक कुमार, सचिन वर्मा, प्रियंका मौर्या, संजू वर्मा, प्रतिभा कुमारी, अर्पिता, अभिषेक गौतम, सिद्धार्थ, सचिन, गिरीश राव, अमर, प्रियंका, पूनम देवी आदि ने योगदान दिया। चिकित्सकों ने मरीजों के परीक्षण के साथ ही उन्हें महत्वपूर्ण सुझाव दिये। मरीजों को जब निःशुल्क चिकित्सा का लाभ मिला तो उनके चेहरों पर मुस्कान थी।

मण्डलीय समीक्षा बैठक में धीमी प्रगति पर नाराजगी, लक्ष्य प्राप्ति पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विकास कार्यो की मासिक मण्डलीय समीक्षा बैठक मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुआ। समीक्षा बैठक में उन्होने पाया कि जलजीवन मिशन डेएनआरएलएम बैंक केडिट लिंकेज, 15वों वित्त आयोग, 5वॉ राज्य वित्त आयोग ग्राम पंचायत, फैमिली आईडी, निपुण परीक्षा आंकलन, मध्यान्ह भोजन एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति, ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपेन जिम का निर्माण, सेतुओं का निर्माण, नई सड़को का निर्माण, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति धीमी पाये जाने पर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करें, जिससे जिले की रैंक प्रभावित न हों। उन्होने यह भी कहा कि जो विभाग एक प्लस की श्रेणी में है वो अपेक्षित प्रगति बनाये रखें।

फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करते हुए उन्होने संयुक्त निदेशक कृषि अविनाश चन्द्र तिवारी को निर्देशित किया कि सभी किसानों का फार्मर रजिस्ट्रेशन समयान्तर्गत करा दिया जाय, जिससे सरकार द्वारा मिलने वाली किसी भी योजना से किसान बन्धु वंचित ना हों। उन्होने बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पोर्टल का प्रतिदिन अवलोकन करते रहे, जिससे जन शिकायतों का समयान्तर्गत निस्तारण हों सकें।

निवेशमित्र, पशुपालन, मत्स्य विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होने निर्देशित किया कि इसके अन्तर्गत मिलने वाले ऋण संबंधी पत्रावली किसी भी स्तर पर लम्बित ना रहे, इसका संबंधित अधिकारीगण नियमित अनुश्रवण करे और विसंगतियों को दूर कर पत्रावलियों को निस्तारित करें। आगनबाड़ी केन्द्रों पर कार्यकत्रियों की तैनाती की समीक्षा किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि तैनाती प्रकिया चल रही हैं और जल्द ही समयान्तर्गत तैनाती कर दिया जायेंगा। बैठक का संचालन संयुक्त विकास आयुक्त बलराम कुमार ने किया। इसमें जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, संतकबीर नगर महेन्द्र सिंह तंवर, सिद्धार्थ नगर राजा गड़पति आर., अपर आयुक्त प्रशासन राजीव पाण्डेय, सीडीओ जयदेव सी.एस., जयकेश त्रिपाठी, उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी, डीएफओ जय प्रकाश तथा मण्डल के विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भारत मुक्ति मोर्चा ने किया प्रदर्शन,गृह मंत्री का पुतला लेकर भागे पुलिस कर्मी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गृह मंत्री अमित शाह की ओर से डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर पर की गई टिप्पणी को लेकर विपक्ष हमलावर हो है, इसी कड़ी में भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आरके आरतियन के नेतृत्व में नेताओं व कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया, कार्यकर्ता यहां गृह मंत्री अमित शाह का पुतला फूंकने की तैयारी कर रहे थे, पुलिस को इस बात की जानकारी तक नहीं हुई, अचानक से कार्यकर्ताओं ने यहां गृह मंत्री के पुतले में आग लगा दी, जिसे देख पुलिस कर्मी दंग रह गए, तेजी से वे पुतले को लेकर भागे, लेकिन पुतले में आग लग चुकी थी।

जिलाध्यक्ष आरके आरतियन ने कहा कि गृह मंत्री की टिप्पणी के बाद से मूल निवासी बहुजन समाज बहुत आक्रोषित है, लगातार आंदोलन किया जा रहा है, इसके बावजूद भी अमित शाह द्वारा अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई न तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसे संज्ञान में लिया गया है कि इनको बर्खास्त किया जाए। कहा कि अभी तो यह जिले का आंदोलन है, गांव–गांव का आंदोलन बनेगा। ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने कहा कि सर्व समाज को न्याय देने वाले बाबा साहब पर अमित शाह ने अशोभनीय टिप्पणी की है, कहा कि हम अपने भगवान डॉक्टर अम्बेडकर के सम्मान में आज अमित शाह का पुतला फूंके हैं।

इस दौरान हृदय गौतम, चंद्र प्रकाश गौतम, सरिता भारती, अखिलेश्वरी, अनीता देवी, सुग्रीव चौधरी, राम सुमेर यादव, कृपा शंकर चौधरी, चंद्रिका प्रसाद, चंद्रावती, बुद्ध प्रिय पासवान, सत्येंद्र कन्नौजिया, प्रहलाद गौतम, बुद्धेश राना आदि मौजूद रहे।

मुकदमा दर्ज कराया तो चाकू की नोक पर दुराचार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज पुलिस ने दलित युवती के साथ छेड़खानी, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया है। पुलिस को दी तहरीर में थानाक्षेत्र की एक दलित महिला ने बताया कि वादिनी की लड़की 24 साल की है। पिछले कई महीने से गांव का आशिक अली मेरी बेटी को परेशान करता है। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी व जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली देता है। आरोप है कि आशिक अली कई बार युवती के घर में घुस कर मारपीट कर चुका है, जिसका मुकदमा दर्ज है।

15 दिसंबर की रात वह फिर से बेटी के कमरे में घुसा और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और शारीरिक संबंध बनाया। उसका अश्लील वीडियो बनाया। कहा कि जो पुराना मुकदमा दर्ज है, उसमें सुलह कर लो नहीं तो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे। पुलिस ने आशिक अली के खिलाफ दुष्कर्म करने व दलित उत्पीड़न अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दिया है।

रूधौली पुलिस सकिय होती तो बच जाती नाबालिग अनुराधा की जान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरुवार को रूधौली थाना क्षेत्र की अठदेउरा निवासिनी संगीता पत्नी राजेश कुमार निषाद ने विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के साथ पुलिस अधीक्षक को सम्बोधित पत्र सीओ सदर को सौंपा। मांग किया कि संगीता की नाबालिग पुत्री अनुराधा के साथ यौन हिंसा, उत्पीड़न, शादी के लिये नाजायज दबाव और धर्म परिवर्तन, बलात्कार के मामले में नये सिरे से विवेचना करके दोषियों को गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करते न्याय दिलाया जाय। मामले की सूचना पूर्व में रूधौली पुलिस को दिया गया था किन्तु पुलिस ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई, इसका परिणाम ये हुआ कि अनुराधा ने 14 दिसम्बर को उत्पीड़न से ऊब कर आत्महत्या कर लिया। पुलिस ने इस मामले में केवल परसादमया निवासी नफीस खान उर्फ बाबू खान को गिरफ्तार किया है और शेष खुले आम घूम रहे हैं।

–विश्वहिन्दू महासंघ ने किया नये सिरे से जांच, कार्यवाही की मांग –दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई न हुई तो होगा आन्दोलन– अखिलेश सिंह

ज्ञापन देने के बाद विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि यदि रूधौली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेकर दोषियों के विरूद्ध समय से कार्यवाही किया होता तो नाबालिग अनुराधा की जान बचायी जा सकती थी। व्यवस्था से हारकर अनुराधा ने आत्महत्या कर लिया। अब पुलिस मामले में लीपापोती करने में जुटी हुई है। विश्वहिन्दू महासंघ अधिवक्ता प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री कुलदीप मिश्रा ने कहा कि कि अनुराधा के आत्महत्या मामले की नये सिरे से जांच कर परसादमया निवासी नफीस खान उर्फ बाबू खान और अन्य जिम्मेदारों के विरूद्ध समुचित कार्यवाही करते हुये पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाय। चेतावनी दिया कि यदि कार्रवाई न हुई तो विश्व हिन्दू महासंघ संघर्ष करने को बाध्य होगा। पत्र देने के दौरान संगीता के साथ पिता राजेश कुमार निषाद, विपुल, विनय, राजू, सुनीता आदि शामिल रहे।

6 सूत्रीय मांगों को लेकर ठेकेदारों ने सौंपा ज्ञापन मांगे पूरी न हुई तो जारी रहेगा निविदाओं का बहिष्कार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को ठेकेदार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवीन्द्रनाथ मिश्र के नेतृत्व में ठेकेदारों और एसोसिएशन पदाधिकारियों ने मुख्य अभियन्ता और अधीक्षण अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को 6 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि नियमों को जन उपयोगी बनाकर लागू किया जाय अन्यथा ठेकेदार आन्दोलन को बाध्य होंगे। ठेकेदारों ने कहा कि जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती निविदा का बहिष्कार जारी रहेगा।

ज्ञापन देने के बाद ठेकेदार एसोसिएशन के संघ अध्यक्ष अमर सिंह उर्फ जय नरायन सिंह ने कहा कि पिछले तीन वर्षो से लोक निर्माण विभाग द्वारा नित्य नये नियम बनाये जा रहे जो जन विरोधी एवम् लो०नि०वि० के लिए अत्यन्त घातक सिद्ध होते चले आ रहे हैं। कोषागार प्रणाली के कारण डिपाजिट के भुगतान न होने से हजारो करोड़ रूपया ठीकेदारों का फंसा है। रायल्टी के कारण ठीकेदारों पर 6 गुना अर्थदण्ड लगाया जा रहा है जिससे ठीकेदारों का भारी नुकसान हो रहा है, जबकि प्रमुख अभियन्ता द्वारा खुद नियम बनाया गया था कि स्वीकृति के प्रत्याशा एवं तकनीकी स्वीकृत के बिना कोई निविदा आमंत्रित नहीं की जायेगी परन्तु स्वीकृति के प्रत्याशा में विभाग द्वारा निविदा निकाला जाता है, ऐसे में नियम बनाने वाले अधिकारी ही नियमों की धज्जियां उड़ा रहे है।

एसोसिएशन उपाध्यक्ष रवीन्द्रनाथ मिश्र, महामंत्री गोविन्दनाथ पाण्डेय ने कहा कि अनेक पत्रों के माध्यम से ठीकेदारों की समस्यायें शासन–प्रशासन को पहुँचाई गयी लेकिन अभी तक प्रमुख अभियन्ता लोनिवि लखनऊ द्वारा केवल 5 साल अनुरक्षण हटाये जाने का आदेश जारी किया गया है, शेष ठेकेदारों की मांग अभी पूरी नहीं की गयी। छः सूत्रीय मांग में यह आंशिक माना जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में ठेकेदारों का छः सूत्रीय मांग जब तक पूरी तरह से शासन–प्रशासन द्वारा नहीं मान लिया जाता, तब तक ठेकेदारों द्वारा निविदा का बहिष्कार चलता रहेगा और आवश्यकता पड़ने पर मुख्यालय का घेराव एवं धरना प्रदर्शन भी जारी रहेगा।

ज्ञापन देने वालों में अशोक सिंह, जयन्त्री सिंह, बबलू पाण्डेय, भुनेश प्रताप सिंह, राघवराम यादव, अजमत, नरेन्द्र सिंह, अरूण मिश्र, उमेश चन्द्र त्रिपाठी, सुरेश चौधरी, संतराम चौधरी, चन्द्रेश सिंह, गुड्डू पाण्डेय, राम नरेश, परशुराम सिंह, वीरेन्द्र श्रीवास्तव, अजय तिवारी, रोहित मिश्रा, रामचन्द्र सिंह, हरिनरायन दूबे, ओम सुनील कुमार श्रीवास्तव प्रकाश पाण्डेय, करीम अहमद, पिन्टू शुक्ला, अजय श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव के साथ ही अनेक ठेकेदार मौजूद थे।

वीर बाल दिवस पर अमर हुतात्माओं को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती के नेतृत्व में आर्य समाज नई बाजार बस्ती में चल रहे बालिकाओं के चरित्र निर्माण शिविर में यज्ञ करते हुए बालिकाओं ने आज अमर हुतात्मा फतेह सिंह और जोरावर सिंह के अमर बलिदान को याद किया गया और उन्हीं के समान धर्म पर दृढ़ रहने का संकल्प लिया। हर साल 26 दिसंबर को मनाया जाने वाला यह दिन सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के दो छोटे साहिबजादों, जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। इन युवा साहिबजादों ने धर्म और मानवता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। इन्हीं के सम्मान और याद में वीर बाल दिवस मनाया जाता है। यज्ञ कराते हुए आचार्य योगेन्द्र मेधावी ने बताया कि मुगलों के खिलाफ जंग सिख धर्म के दसवें गुरु श्री गोबिंद सिंह जी ने साल 1699 में बैसाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना की थी। इनके चार बेटे अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह भी खालसा का हिस्सा थे। उस समय पंजाब में मुगलों का शासन था।

साल 1705 में मुगलों ने गुरु गोबिंद सिंह जी को पकड़ने पर पूरा जोर लगा, जिसके कारण उन्हें अपने परिवार से अलग होना पड़ा। इसलिए गुरु गोबिंद सिंह जी की पत्नी माता गुजरी देवी और उनके दो छोटे पुत्र जोरावर सिंह और फतेह सिंह अपने रसोइए गंगू के साथ एक गुप्त स्थान पर छिप गईं पर लालच में आकर उनके रसोइए ने माता गुजरी और उनके पुत्रों को मुगलों को पकड़वा दिया। मुगलों ने इन खूब अत्याचार किए और उन्हें उनका धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर करने लगे, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से साफ मना कर दिया। इस समय तक गुरु गोबिंद सिंह जी के दो बड़े पुत्र मुगलों के खिलाफ लड़ाई में शहीद हो चुके थे। अंत में मुगलों ने 26 दिसंबर के दिन बाबा जोरावर साहिब और बाबा फतेह साहिब को जिंदा दीवार में चुनवा दिया। उनकी सहादत की खबर सुनकर माता गुजरी ने भी अपने प्राण त्याग दिए।

वीर बाल दिवस हमें राष्ट्रीय एकता और भाईचारे का संदेश देता है। इन साहिबजादों ने सभी धर्मों के लोगों को एकजुट होने का संदेश दिया था। इससे पूर्व बालिकाओं को प्रशिक्षिका श्रद्धा द्वारा सूर्य नमस्कार, भूमि नमस्कार, लेजियम और डम्बल का विधिवत अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर अतिथि सरदार सतिंदर पाल और रविन्द्र पाल ने अमर हुतात्माओं को श्रद्धा सुमन अर्पित किए इसके अलावा सूर्यमोहन सिंह और प्रमोद गुप्ता ने बलिदानियों के बारे में बच्चों को बताया। आदित्यनारायण गिरि शिविर संचालक ने बताया कि बच्चों को बौद्धिक कक्षा में देश प्रेम, आपसी भाईचारा और व्यक्तित्व विकास के गुण सिखाए जा रहे हैं।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 दिसम्बर 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

मन्दिर-मस्जिद और संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अमरावती में दिए वक्तव्य में धर्म के नाम पर पैदा की जा रही गलतफहमियां दूर करने की बात कही। उन्होंने कहा कि राममंदिर बनना तो ठीक है लेकिन इस तरह के नये–नये मंदिर विवाद खड़ा करना देश की सामाजिक समरसता के लिये ठीक नहीं है। उन्होंने स्वीकारा कि विविधता हमारा वर्तमान तो है लेकिन ये हमारे अतीत का हिस्सा भी रहा है। देश में विभिन्न धर्म–संस्कृति के लोग आते रहे हैं। प्रारंभिक मतभेद और कटुता को दूर करके भारतीय संस्कृति का हिस्सा बनते रहे हैं। जिससे विविधता के बीच एकता के सूत्र विकसित होते रहे हैं। यही वजह है कि बाद में कानून के जरिये तय हुआ कि आजादी के वक्त पूजा स्थल का जैसा स्वरूप रहा, उसे यथास्थिति में बनाये रखा जाये। निश्चित रूप से ऐसे विवादों को हवा देने से सामाजिक समरसता पर आंच आएगी व देश का विकास बाधित होगा। इसके बाद जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य व कतिपय अन्य धर्मगुरुओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने बयान को भागवत की निजी राय बताया। निश्चित रूप से भागवत का बयान समय की आवाज है और बकौल भागवत धर्म की सतही समझ से सांप्रदायिक कट्टरता को बढ़ावा मिलता है। लेकिन यह बात विचारणीय है कि भागवत के बयान के विरोध में तो आवाजें उठी, लेकिन संघ प्रमुख के बयान के समर्थन में संघ के आनुषंगिक संगठनों व भाजपा नेताओं की तरफ से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। जबकि प्रधानमंत्री व गृहमंत्री अमित शाह के ऐसे बयानों के समर्थन में पार्टी नेताओं में बयानबाजी की होड़ पैदा हो जाती है। समय की मांग है कि संघ प्रमुख के बयान में निहित संदेश को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि संघ की स्थापना के मूल में हिंदुत्व की विचारधारा रही है। यही इस संगठन का आधार भी रहा है। ऐसे में जब संगठन की तरफ से प्रगतिशील विचार सामने आता है तो उसे सुना जाना चाहिए। उसका स्वागत किया जाना चाहिए।

निस्संदेह, धर्म एक जटिल मुद्दा है और इसके वास्तविक स्वरूप को समझे जाने में चूक होने की आशंका बनी रहती है। जिसके चलते सांप्रदायिकता को बढ़ावा मिलने की आशंका बलवती होती है। वहीं सवाल उठता है कि क्या भागवत के बयान वाला दृष्टिकोण संगठन में उदारवादी व सख्त नीति के बीच विभाजित हो रहा है? यही वजह है कि संघ व भाजपा नेताओं की तरफ से इस बयान को सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला है। इस बयान को बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां कट्टरपंथियों के वर्चस्व के रूप में देखा जा सकता है। भागवत की चिंताओं को इस संदर्भ में देखा जाना चाहिए। पूरी दुनिया में इस्लामिक कट्टरता के चलते संप्रदाय को अतिवाद के पोषक के रूप में देखा जाता रहा है। जिसके चलते इसकी छवि धूमिल हुई है। ऐसे ही यदि बहुसांस्कृतिक देश में कट्टरवाद को प्रश्रय दिया जाता है तो वैश्विक संदर्भ में देश की छवि पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। धर्म विशेष के नाम पर दुनिया में आतंकवाद की जो मुहिम चली है, उससे धर्म को हिंसा के पर्याय के रूप में देखा जाने लगा है। जिसको लेकर धारणा बनी है कि इससे धर्म की गलत व्याख्या की जा रही है। निश्चित रूप से ऐसे ध्रुवीकरण के प्रयासों से देश में विकास का एजेंडा हाशिये पर चला जाएगा। इसे उत्तर प्रदेश के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए जहां नित नये विवादों को तूल देने के कारण सांप्रदायिक तनाव में वृद्धि देखी गई। उदाहरण के तौर पर संभल में हुई घटना को देखा जा सकता है, जहां हिंसा में चार लोगों की जान चली गई थी। ऐसे कृत्यों से भारत के विश्वगुरु बनने के दावे तथा वसुधैव कुटुंबकम की सनातन परंपरा पर आंच आती है। जिसके लिए जरूरी है कि हमें अपनी बात को ऊंचा रखकर दूसरे विचार की अनदेखी की जिद से बचना होगा। हम अपनी आस्था का ख्याल तो रखें लेकिन साथ ही दूसरे पक्ष के विचार का भी सम्मान करें। ऐसे में देश के कर्णधारों को चाहिए कि वे सत्ता पर काबिज रहने के लिये धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति से बचें।

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल या लूट के अड्डे

–निर्मल रानी–

वैसे तो 2012 में प्रसारित किये गये आमिर खान के प्रसिद्ध व लोकप्रिय धारावाहिक 'सत्यमेव जयते' में भारतीय स्वास्थ्य सेवाओं में व्याप्त धांधली व लूट जैसे अति गंभीर विषय को अत्यंत प्रभावी रूप से उठाया जा चुका है। इस में प्रमाणिक तरीके से यह बताया गया था कि किस प्रकार डॉक्टर्स द्वारा मरीजों को बिना जरुरत के दवाइयाँ दी जाती हैं और किस तरह मरीजों का गैर जरूरी इलाज किया जाता है। इसमें कई ऐसे उदाहरण पेश किये गये थे जिससे यह साबित होता है कि स्वास्थ्य सेवाओं में किस तरह की धांधलियां हो रही हैं। इसत्यमेव जयतेश में यह भी दिखाया गया था कि आंध्र प्रदेश के एक गाँव में बड़ी संख्या में महिलाओं की बच्चेदानी (गर्भाशय) निकाल दिया गया, जबकि इसकी जरुरत ही नहीं थी। डॉक्टर्स द्वारा महिलाओं को यह बताया गया था कि अगर उन्होंने ऑप्रेशन नहीं करवाया तो उनकी जान चली जाएगी। जब कि इस कार्यक्रम में भाग ले रही एक सीनियर डॉक्टर का कहना था कि कैंसर के अलावा कोई और मामला नहीं होता जिसमें गर्भाशय को निकालना पड़े। इसी मंच पर यह भी बताया गया था कि कई बार मरीजों से दवाओं की कीमत पचास गुना ज्यादा तक वसूली जाती है। तरह तरह के गैर जरूरी फर्जी टेस्ट करने के लिए मरीज पर दबाव बनाने जैसी अनेक बातें भी सामने आयी थीं। यहाँ तक कि सत्यमेव जयते में डॉक्टरों के व्यवसाय से लेकर मेडिकल कॉलेजों तक सभी पर निगरानी रखने वाली संस्था मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) की गड़बड़ियों पर भी चर्चा की गई थी।

परन्तु 'सत्यमेव जयते' द्वारा भारतीय चिकित्सा व्यवस्था में व्याप्त घोर भ्रष्टाचार व लूट के उजागर होने के बावजूद गत 12 वर्षों में इसमें कोई सुधार तो बिल्कुल नहीं आया,हाँ लूट खसोट में और अधिक इजाफा जरूर हो गया है। और भारतीय चिकित्सा व्यवस्था में व्याप्त यह लूट अब इस हद तक पहुँच चुकी है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। सीधे शब्दों में मरीज को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ देने के बारे में तो कतई नहीं बल्कि उससे कितने अधिक से अधिक पैसे वसूले जा सकते हैं सारा ध्यान व अस्पतालों का सारा चक्रव्यूह इसी तरीके से रचा जा रहा है। और ऐसा हो भी क्यों न ? जब सुपर–स्पेशलिटी हॉस्पिटल, फार्मा और हेल्थकेयर कम्पनीज द्वारा सत्ता को चुनावी बांड के रूप में इतने पैसे दे दिए जायें कि उनकी हर तरह की लूट पर सरकारें खामोश रहें? गौरतलब है पिछले दिनों जब सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इलेक्टोरल बांड सार्वजनिक किये गए थे उन्हीं चुनावी बॉन्ड के आंकड़ों से पता चला था कि देश की कम से कम 30 फार्मा और हेल्थकेयर कंपनियों ने 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के चुनावी बॉन्ड खरीदे थे जो कुल मिलाकर लगभग 900 करोड़ रुपये है। यह कुल 12,155 करोड़ रुपये की राशि का लगभग 7.4: है, जिसके लिए डेटा जारी किया गया था।

नतीजतन आज सुपर–स्पेशलिटी हॉस्पिटल,फार्मा और हेल्थकेयर फर्मों को इस बात की पूरी छूट मिल चुकी है कि वे मरीज की आर्थिक स्थिति के अनुसार जितना चाहे उसका दोहन कर सकते हैं करें। इनको मिली इस शाह का नतीजा है कि आज देश में प्राय: 44 : ऐसी झूठी सर्जरी की जा रही हैं जिनकी जरुरत ही नहीं। करीब 55 : गैर जरूरी हार्ट सर्जरी,लगभग 48 : गर्भाशय सर्जरी करीब 47 : कैंसर सर्जरी,48 : घुटना बदलने वाली शल्य चिकित्सा 45 : प्रसव सर्जरी केवल धन ऐंठने हेतु पूरी तरह अकारण ही की जा रही हैं। यह कोई गढ़े हुये काल्पनिक आंकड़े नहीं बल्कि मार्च 2016 को भारत की एक संसदीय समिति द्वारा स्वीकार किये गये तथ्य हैं। सत्ता संरक्षित इन अस्पतालों को भी पूरी तरह से कॉर्पोरेट कम्पनी की ही तरह टारगेट आधारित व्यवसाय बना दिया गया है। अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिये हर महीने के अंत में इन डॉक्टर्स पर दबाव बढ़ता है और डॉक्टर्स को ओ0पी0डी0 के मरीजों को भी अकारण शल्य चिकित्सा (सर्जरी) की तरफ धकेलना पड़ता है। यूँही नहीं कई बड़े नामी सुपर–स्पेशलिटी हॉस्पिटल अपने सीनियर डॉक्टर्स को एक करोड़ रूपये प्रति माह तक तनख्वाह देते हैं। इसके बदले में इन्हें प्रत्येक माह एक हजार सामान्य मरीजों को गंभीर मरीज में परिवर्तित करना होता है। ऐसे लूट एक्सपर्ट डॉक्टर्स का ट्रैक रिकार्ड बनता है कि वह मरीजों को लूटने का कितना एक्सपर्ट है उसके हिसाब से ही उसे दूसरे लुटेरे अस्पतालों में मरीजों को लूटने का ठेका यानी नौकरी मिलती है।

कई मामले ऐसे भी सामने आये हैं जिसमें मृत हो चुके मरीजों को भी जिंदा बताकर पैसे वसूले जाते रहे हैं। अस्पताल द्वारा मृत हो चुके मरीजों का इलाज जारी रखने का केवल नाटक चलता है ताकि जितना हो सके पैसे ऐंठे जाते रहें। ऐसे कई मामले अखबारों में भी आते रहते हैं। ब्रेन डेड मरीजों को एक महीना वेंटिलेटर पर रखने जैसा एक अस्पताल का मामला अदालत में साबित हुआ तो अदालत ने सिर्फ 5 लाख की सांत्वना राशि का जुर्माना उस अस्पताल पर ठोक दिया। इन्हीं भारतीय स्वास्थ्य सम्बन्धी अनियमिताओं के चलते पिछले दिनों मेरे एक पारिवारिक सम्बन्ध रखने वाले संपन्न,शिक्षित व अप्रवासी भारतीय परिवार की एक 76 वर्षीय महिला की समय पूर्व जान चली गयी। मरीज के शरीर में इस आयु में चौथे चरण का अग्न्याशय का कैंसर(Pancreatic Cancer) चिन्हित किया गया। उसी समय चंडीगढ़ में एक वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ ने यह घोषित कर दिया कि मरीज अधिकतम एक वर्ष की आयु और जी सकता है। अमेरिका में मरीज के करीबी रिश्तेदार जोकि स्वास्थ्य विभाग में ही शोधार्थी है तथा उच्च पद पर कार्यरत हैं जब उन्हें इस घटनाक्रम का पता चला तो उन्होंने भी इस उम्र में किसी भी कीमियो थेरेपी की कोशिश से मन किया साथ यह भी कहा की अमेरिका में इस उम्र में कीमियो की सलाह नहीं दी जाती।

परन्तु जब यही मरीज मोहाली के एक नामी सुपर–स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया तो वहाँ के 'नेटवर्क' ने किसी दूरदर्शिता की बात करने या संभावित खतरों की फिक्र या उससे आगाह किये बिना कीमियो कर डाला। जिससे मरीज के शरीर में जॉन्डिस फैल गया। और इस अनावश्यक कीमियो के सप्ताह भर के भीतर ही वह मरीज चल बसा जोकि बिना कीमियो के एक साल जी सकता था। देश में ऐसे हजारों मामले रोजाना होते रहते हैं मगर सत्ता संरक्षित होने के कारण इनका कोई कुछ बिगाड़ नहीं पाता। लूट का अड्डा बनते जा रहे ऐसे सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का तो लाइसेंस ही निलंबित कर दिया जाना चाहिये।

आंबेडकर प्रकरण और कांग्रेस

–विजय विद्रोही–

कहा जाता है कि मोदी या उनकी सरकार के मंत्रियों पर विपक्ष का कोई आरोप चिपकता नहीं है। लेकिन पहली बार आंबेडकर के कथित अपमान का आरोप अमित शाह को घेरते हुए मोदी और भागवत को भी अपने लपेटे में ले रहा है। सवाल यह भी उठता है कि क्या यह मामला विपक्ष 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव तक जिंदा रख पाएगा। अगर रहा और इस मसले ने असर दिखाया तो तय है कि 2029 के लोकसभा चुनाव तक इसकी धमक सुनाई देगी। लेकिन जिस तरह से कांग्रेस और समूचा विपक्ष इस मसले पर जिस रणनीति पर चल रहा है उससे बात निकलेगी तो दूर तक जाएगी की सियासी खनक सुनाई नहीं दे रही। अलबत्ता साफ है कि अरविंद केजरीवाल फरवरी के दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस मसले को काफी हद तक भुनाने की कोशिश करेंगे।

आखिरकार केजरीवाल ने सबसे पहले नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को खत लिखकर इस मामले में रुख साफ करने को कहा था। फरवरी के बाद नवंबर में बिहार में चुनाव होंगे। बिहार की राजनीति में आंबेडकर से ज्यादा जाति पर राजनीति की जाती है लेकिन फिर भी नीतीश कुमार की परेशानियां बढ़ सकती हैं। याद रहे कि बिहार में लोकसभा चुनाव में संविधान के खतरे में होने की हांडी में उबाल कम ही आया था।

वैसे देखा जाए तो अमित शाह के भाषण के 10–11 सैकंड के काट–छांट वाले वीडियो में पर्याप्त सियासी बारूद है। वीडियो बहुत छोटा है लिहाजा यह सस्ते मोबाइल फोन में भी देखा जा सकता है। यानी ठेठ गांव देहात तक इसे पहुंचाने की कोशिश की गई है और आगे भी की जाएगी। वीडियो में अमित शाह हिकारत से आंबेडकर–आंबेडकर दोहराते हुए नजर आ रहे हैं। अगर कांग्रेस की जगह भाजपा के पास यह मुद्दा रहता तो पूरा देश नीला हो चुका होता लेकिन कांग्रेस लाल पीली होने के सिवा कुछ ज्यादा नहीं कर पा रही है। इसलिए भी कुछ जानकारों का कहना है कि संसद के फरवरी में शुरू होने वाले बजट सत्र में इस मुद्दे की अग्नि परीक्षा होने वाली है।

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दलित हैं। बुजुर्ग हैं। मिल मजदूर के बेटे हैं। आंबेडकर अपमान के खिलाफ माहौल बनाने के लिए इससे ज्यादा किसी को क्या चाहिए। लेकिन जरूरी नहीं है कि सिर्फ दलितों तक इसे सीमित रखा जाए। आंबेडकर से आदिवासी या ओ.बी.सी. प्रभावित नहीं होते हैं। दलितों में भी जाटव जैसे दलितों पर असर ज्यादा होता है लेकिन राहुल गांधी दलित, ओ.बी.सी., आदिवासी सबको जोड़ कर देख रहे हैं जो मसले की मारक क्षमता को कम करता है। संसद में जितना विरोध होना था वह हो गया। देश के बड़े शहरों और राजधानियों में भी कांग्रेस धरने प्रदर्शन कर चुकी।

अब अगले चरण में मामले को दलितों की बस्तियों में ले जाती तो बात कुछ और होती। दिलचस्प बात है कि इस समय लड़ाई इस बात पर हो रही है कि यह साबित किया जा सके कि कौन आंबेडकर विरोधी है। भाजपा के बड़े से लेकर छोटे नेता चुन–चुन कर आरोप लगा रहे हैं कि कैसे नेहरू ने आंबेडकर का अपमान किया, लोकसभा से उन्हें इस्तीफा देना पड़ा, हिंदू कोड में साथ नहीं दिया आदि–आदि। कांग्रेस बता रही है कि कैसे संघ, जनसंघ, हिंदू महासभा आदि ने आंबेडकर का विरोध किया था।

आंबेडकर के संविधान की खिल्ली उड़ाई थी, वैसे भी कांग्रेस पुरजोर तरीके से हमलावर नहीं हो रही है जैसी कि उससे उम्मीद की जानी चाहिए। संसद में संविधान पर हुई बहस में भी खरगे ही बचाव के साथ–साथ हमले करते नजर आए थे। कांग्रेस को समझना चाहिए कि आंबेडकर मामले पर मायावती भी आखिरकार भाजपा के विरोध में आ ही गई। मायावती को पता है कि अगर वह चूकी तो यू.पी. में उनका सफाया हो जाएगा। यू.पी. से बाहर वह कहीं नहीं हैं। संघ समझ रहा है कि मामला तूल पकड़ा तो कोई कार्रवाई करनी ही होगी क्योंकि दलितों को अपने साथ लाने में उसे बड़ी मशक्कत करनी पड़ी है। दलित सिर्फ वोट बैंक नहीं है। हिंदू राष्ट्र की अवधारणा में भी दलितों के साथ की उतनी ही जरूरत है जितनी कि ओ.बी.सी. या आदिवासियों की। लोकसभा चुनाव में सबने देखा कि संविधान बदलने, आरक्षण खत्म करने की तमाम बातों के बीच दलित ने भाजपा का साथ छोड़ा था और भाजपा 240 पर सिमट गई थी।

इस लिहाज से देखा जाए तो भाजपा की रणनीति यही है कि कांग्रेस को आंबेडकर विरोधी घोषित किया जाए ताकि दलित अमित शाह को भूल कर कांग्रेस को निशाने पर लेने लगें। यह कमजोर नीति है क्योंकि भाजपा के पास इसके दस्तावेजी सबूत नहीं है और खुद उस समय के उनके नेताओं के ढेरों आंबेडकर विरोधी बयान सामने हैं। उधर कांग्रेस के पास कहने को बहुत कुछ है लेकिन वह सिलसिलेवार ढंग से कह नहीं पा रही है। भाजपा इसी भ्रम को बनाए रखना चाहती है और चाहती है कि रायता इसी तरह फैलता रहे। ऐसे में आई.एन.डी.आई.ए. मोर्चे की भूमिका बड़ी हो जाती है। यू.पी. में अखिलेश यादव आंबेडकर की बात करते हैं और इसे अपने पी.डी.ए. से जोड़ देते हैं। पी.डी.ए. में सिर्फ दलित नहीं है। उसमें पिछड़े और मुस्लिम भी शामिल हैं जबकि जरूरत इस समय दलित वोटों को साधने की है।

वैसे देखा जाए तो आंबेडकर अपमान बयान से ध्यान हटाने के लिए सांसद धक्का–मुक्की कांड हुआ लेकिन यहां वीडियो सत्ता पक्ष के पास नहीं है। उधर विपक्ष के पास शाह का वीडियो है। संघ प्रमुख ने इसी मौके पर मस्जिदों के नीचे मंदिर नहीं तलाशने की हिदायत देकर आंबेडकर मसले पर बड़ी लकीर खींचने की कोशिश की। देखते हैं कि कांग्रेस इस मामले को कहां तक ले जा पाने में समर्थ रहेगी।

स्त्रियों के आर्थिक विकास से जुड़ी यात्रा

–संजीव ठाकुर–

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25: से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60: महिलाएं ही हैं।

निश्चित तौर पर हर रात की सुबह होती है भारत में महिलाओं की मुक्ति का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया हैस स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी हैस आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही हैस आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम हैस वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैस भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर हैस विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही हैस अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही हैस यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया था महिलाओं को घर की चारदीवारी में क्या होना पड़ा थास इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता,ऊर्जा,शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएंस भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही हैस इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन,मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैंस सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका मैं इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25: से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60: महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है की किस प्रकार महिलाओं की श्रमबल में अधिक भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करता है।

पूरा विश्व इस बात से सहमत है की महिलाएं कोमल है पर कमजोर नहीं एवं शक्ति का नाम ही नारी है। हिंदुस्तान के विकास में सही मायने में यदि 50: भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं इस देश को विश्व के अन्य विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं, जरूरत इनकी शक्ति क्षमता एवं योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में विश्व शक्ति रूप भारत के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास में महिलाओं का सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर आर्थिक महाशक्ति के स्वप्न को साकार किया जा सकता है।

विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने किया 8 रेल उपरिगामी सेतु, फ्लाई ओवर निर्माण की मांग

–शुगर मिल के निकट 16 करोड़ की लागत से होगा उपरिगामी सेतु का निर्माण, मिली मंजूरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने उ.प्र. राज्य सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक को गत 11 अप्रैल 2022 को बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र के 8 स्थानों पर रेल उपरिगामी सेतु और फ्लाई ओवर निर्माण कराये जाने का आग्रह किया था। इसमें से शासन स्तर पर बस्ती सुगर मिल के निकट रेल उपरिगामी सेतु का निर्माण स्वीकृत हो गया है। विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने बताया कि अनु सचिव अभय प्रताप श्रीवास्तव ने बताया है कि सेतु लोक निर्माण विभाग द्वारा 1609.34 लाख रूपये की लागत से बस्ती ओडवारा स्टेशन के मध्य बस्ती शुगर मिल के निकट रेल उपरिगामी सेतु का निर्माण कराया

जायेगा।

विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने बताया कि पाण्डेय बाजार, मंगलबाजार, बरदहिया और आस पास के नागरिक लगातार मांग कर रहे थे कि बस्ती सुगर मिल के निकट रेल उपरिगामी सेतु का निर्माण करवाया जाय। उनके द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा था, अंततः एक सफलता मिली है। बताया कि मुण्डेरवा,वाल्टरगंज में रेल उपरिगामी सेतु, रौता चौराहा, रोडवेज तिराहा, पटेल चौक, मूडघाट और कम्पनीबाग चौराहे पर फ्लाईओवर निर्माण के लिये निरन्तर प्रयास जारी है जिससे लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा के साथ जाम से मुक्ति मिले।

मनु स्मृति दहन दिवस पर प्रवोधन कार्यक्रम में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को भारत मुक्ति मोर्चा द्वारा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के संयोजन में प्रेस क्लब सभागार में मनु स्मृति दहन दिवस पर प्रवोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता चन्द्रिका प्रसाद ने कहा कि बाबा साहब ने समाज के विपन्न, दलित वर्ग की वेदना को समझा और लम्बे अध्ययन के बाद महसूस किया कि समाज में शूद्रों की उपेक्षा और उत्पीड़न के लिये मनु स्मृति जिम्मेदार है। उन्होने 25 दिसम्बर 1927 का दिन था जब डॉ. अम्बेडकर ने मनुस्मृति का सार्वजनिक दहन किया।

–शूद्रों के उत्पीड़न के लिये मनु स्मृति की जाति व्यवस्था को बताया जिम्मेदार

बहुजन मुक्ति पार्टी के मण्डल अध्यक्ष हृदय गौतम ने कहा कि बाबा साहब के दौर में भारतीय समाज में जो कानून चल रहा था वह मनुस्मृति के विचारों पर आधारित था। यह पुरुष सत्तात्मक, भेदभाव वाला कानून था, जिसमें इंसान को जाति और वर्ग के आधार पर बांटा गया था। कहा कि मनुस्मृति के अनुसार, एक ही अपराध के लिए अपराधी की जाति और जिसके साथ अपराध हुआ है, उसकी जाति देखकर सजा दी जानी चाहिए. जिन धर्म शास्त्रों में समान अधिकारों की बात ना हो उस को बढ़ावा देने से इस तरह की घटनाओं में और इजाफा होगा। कहा कि आज भी दलितों का सर्वाधिक उत्पीड़न हो रहा है और इसके लिये जाति व्यवस्था और मनु स्मृति जिम्मेदार है।

प्रवोधन कार्यक्रम को आर. के. गौतम, रामानुज भाष्कर, राम सुमेर यादव, तिलकराम गौतम, डा. रिफाकत अली, प्रहलाद गौतम, दुर्गेश कुमार, बुद्धेश राना, आर.बी. भारती, राम बचन, विजय प्रताप, विक्रम चौहान, ठाकुर प्रेम नन्दबंशी, सरिता भारती, बुद्धि प्रकाश आदि ने कहा कि हजारों वर्षों से देश जातिवाद का दंश झेल रहा है जो आज के इस आधुनिक दौर में और भी विकराल रूप लेता दिखाई पड़ रहा है. महिलाओं के अधिकारों की बात हो या वर्ण व्यवस्था में सबसे निचले पायदान पर माने जाने वाले शूद्र की, ऊंची जातियों को इसमें अपना स्वामित्व ही क्यूं नजर आता रहा? क्यूं आज के इस वैश्विक दौर मे हमारा देश और पिछड़ता चला जा रहा है? जहां मॉब लिंचिंग के बहाने जाति विशेष को निशाना बनाया जा रहा है. क्या यह सब अचानक ही हो रहा है या इसके पीछे कुछ मंशाएं काम कर रही हैं? या हम इतने संवेदनहीन हो गए हैं कि मनुष्य–मनुष्य न होकर सिर्फ जाति रूपी कार्ड दिखाई देने लगा है जो सिर्फ वोट के समय खेला जाता है। यह स्थितियां खतरनाक है। इसके लिये संघर्ष जारी रखना होगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अनीता देवी, अखिलेश्वरी, रंगई प्रसाद, विकास कुमार, राजेश, विनय, सुग्रीव चौधरी, कृपाशंकर वर्मा, चन्द्र प्रकाश गौतम, सत्येन्द्र कन्नौजिया, बच्चूलाल, रामवृक्ष के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में दो पशु तस्करों के पैर में लगी गोली, तीन गिरफ्तार

संवाददाता–कुशीनगर। पडरौना कोतवाली क्षेत्र के घोड़हवा तिराहा से चौती मुसहरी जाने वाले मार्ग के पास गुरुवार को सुबह पुलिस की पशु तस्करों से मुठभेड़ हुई। इसमें दो पशु तस्करों को पैर में गोली लगने के बाद जबकि एक को सुरक्षित गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से दो पिकअप पर क्रूरतापूर्वक लादे गए 15 प्रतिबंधित पशुओं को मुक्त कराया गया जबकि तीन तमंचे व कारतूस बरामद किए गए हैं। कोतवाली पडरौना की पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ शातिर पशु तस्कर पिकअप वाहन से सीमावर्ती क्षेत्रों के रास्ते प्रतिबंधित पशुओं को चोरी छिपे लादकर बिहार ले जाने वाले हैं। इस सूचना पर तत्काल योजना बनाते हुए एसपी ने पुलिस टीमों का गठन कर सघन चेकिंग के निर्देश दिए। गुरुवार को सुबह कोतवाली पडरौना व स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम थाना कोतवाली पडरौना क्षेत्रान्तर्गत घोड़हवा तिराहा से चौती मुसहरी जाने वाले मार्ग के पास घेराबंदी कर चेकिंग कर रही थी। तभी 2 पिकअप वाहन आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो वाहन में सवार बदमाशों ने लक्ष्य साधकर पुलिस टीम पर जान मारने की नीयत से फायर कर दिया। जवाबी प्रतिरक्षा में पुलिस टीम द्वारा फायरिंग की गयी। इसमें दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। घायलों की पहचान शातिर पशु तस्कर अबरेज पुत्र सिकन्दर निवासी डोमन छपरा थाना खड्डा और अलाउद्दीन पुत्र अलीबक्श निवासी भुजौली बाजार बुजुर्ग थाना खड्डा के रुप में हुई। उनके एक अन्य साथी अबरार बंजारा पुत्र साकिर निवासी धनेवा थाना कोतवाली महराजगंज जनपद महराजगंज को भागते समय पुलिस टीम ने काम्बिंग के दौरान गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 15 प्रतिबंधित पशु, दो अदद ठोस लकड़ी का गोलाकार ठीहा, रस्सी, तीन अवैध तंमचे व 3 जिन्दा 4 खोखा कारतूस तथा चार मोबइल फोन बरामद किया गया है। घायल पशु तस्करों का जिला अस्पताल में इलाज कराया गया। पडरौना कोतवाली में पशु तस्करों पर केस दर्ज किया गया गया है। घायल पशु तस्कर अबरेज पर पहले से नेबुआ नौरंगिया व हनुमानगंज थाने में पशु तस्करी से संबंधित मुकदमे दर्ज हैं। अलाउद्दीन पर पहले से पडरौना कोतवाली व महराजगंज जिले के घुघली थाने में दो मुकदमे दर्ज हैं। पडरौना कोतवाल रवि राय, स्वाट प्रभारी दरोगा आलोक कुमार, चौकी प्रभारी सिधुआ धीरेन्द्र राय, बांसी चौकी प्रभारी विपिन सिंह, करवा चौकी प्रभारी चन्दन प्रजापति, हवलदार सनातन सिंह, चन्द्रशेखर यादव, रणजीत सिंह, सिपाही ऋषि पटेल व राहुल सिंह मुठभेड़ में शामिल रहे।

गुरुपुत्रों का बलिदान सभी के लिए अनुकरणीय –कौशल किशोर

संवाददाता–बहराइच। वीर बाल दिवस पर आरएसएस के घोष आनक, बांसुरी एवं बिगुल, ड्रम की मनमोहक धुन पर हाथों में दंड, दिलों में देश भक्ति भाव संजोए सैनिकों की भांति पूरे जिले के लगभग 500 बाल स्वयंसेवकों का पथ संचलन महाराज सिंह इंटर कालेज से निकल कर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा पहुंचा। संघ के घोष दल की मधुर ध्वनि, स्वयंसेवकों की राष्ट्रभक्ति, सामूहिक संगठन शक्ति और अनुशासन का दर्शन सभी नगरवासियों और दर्शकों को रोमांचित कर किया। मुख्य वक्ता प्रांत प्रचारक कौशल किशोर ने कहा कि बलिदानी गुरुपुत्रों को पूरा देश नमन कर रहा है। प्रांत प्रचारक कौशल ने कहा कि पूरे देश में गुरुपुत्रों अजीत सिंह ,जुझार सिंह जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह का बलिदान शहीदी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। राष्ट्र रक्षा एवं धर्म रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर सिंह एवं गुरुपुत्रों का बलिदान सभी के लिए अनुकरणीय है। गुरु जी एवं गुरुपुत्र सर्वस्व दानी थे। समाज में सभी लोगों को इस विषय की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज में स्वाभिमान जागृति हेतु एवं संगठन हेतु वर्ष 1925 में संघ संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। 1940 में नागपुर में लगे संघ शिक्षा वर्ग में पूरे भारत देश के लोग उपस्थित हुए। वर्ष 2025 विजयादशमी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा है। इस अवसर पर समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जोड़कर समाज जागरण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से परिवार में संस्कार उत्पन्न हो ऐसा कार्य संघ द्वारा समाज के साथ मिलकर किया जा रहा है। इसी प्रकार सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण एवं नागरिक कर्तव्य आदि विषय पर संघ संपूर्ण समाज के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है। सरदार सरबजीत सिंह ने कहा कि मुगल काल में जब जबरन धर्मांतरण कराया जा रहा था, तब धर्म की रक्षा के लिए गुरु जी एवं गुरु पुत्रों ने शहादत दी। प्रान्तीय प्रमुख राजकिशोर, जिला संघ चालक वासुदेव, विभाग कार्यवाह अम्बिका प्रसाद ,विभाग प्रचारक कृष्ण कुमार, जिला कार्यवाह भूपेन्द्र,सह जिला कार्यवाह अंकुश, जिला प्रचारक अजय,विभाग प्रचार प्रमुख अतुल, जिला प्रचार प्रमुख विपिन मौजूद रहे।

सुशासन दिवस के रूप में मनाई गई अटल बिहारी वाजपेई की 100 वीं जयन्ती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की 100 वीं जयंती सुशासन दिवस के रूप में धूमधाम से बुधवार को मनाई गई। परशुरामपुर के ब्लॉक मुख्यालय और शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज हरिगांव के कार्यक्रम में हरैया विधायक अजय सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। विधायक ने परशुरामपुर ब्लाक मुख्यालय पर अटल बिहारी वाजपेई की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विधायक ने कहा कि अटल जी का पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित रहा। वे एक कुशल वक्ता, कवि और राजनीतिज्ञ थे जिन्होंने लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में देश का नेतृत्व किया और अपने कार्यकाल में देश के विकास में अमूल्य योगदान दिया। उनके लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि था। कहा कि वाजपेयी के नेतृत्व में भारत ने विश्व में अपनी नई पहचान बनाई और 21वीं सदी में मजबूती से कदम आगे बढ़ाए। उनमें सभी को

–अटल जी का पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित रहा – अजय सिंह

साथ लेकर चलने की अद्भुत क्षमता थी। विधायक ने अटल बिहारी वाजपेई के जयंती के अवसर पर शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज हरीश नगर हरिगांव के प्रांगण में एस.बी.एस. चिल्ड्रन एकेडमी के नवनिर्मित कक्ष का उद्घाटन करके विद्यालय प्रांगण में पौधरोपण भी किया।

इस अवसर पर श्रीश पाण्डेय, सुनील कुमार त्रिपाठी, अमित चतुर्वेदी, दिलीप कुमार पाण्डेय, आशुतोष सिंह छोटे, संदीप सिंह, श्याम मुरारी पाण्डेय, संतोष पाण्डेय, बुद्धि सागर पाठक, श्रवण कुमार त्रिपाठी, राम मणि मिश्र, पंकज मिश्र, विवेक सिंह, राजन, अखिलेश सिंह, राम ललित पाण्डेय, गुलशन राजभर, मुन्ना शुक्ल सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

युग पुरुष थे अटल जी - जगदीश शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की 100 वीं जयंती बुधवार को धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश प्रसाद शुक्ल के नेतृत्व में अटल बिहारी वाजपेई प्रेक्षा गृह स्थित अटल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित किया गया। जगदीश प्रसाद शुक्ल ने कहा कि अटल जी युग पुरुष थे। उन्होंने उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों, विदेश नीति, भारत को परमाणु शक्ति बनाने, देश में सड़कों का जाल बिछाने में अटल जी की दूरदर्शिता का उल्लेख करते हुए इसे देश के विकास के लिए अहम कदम बताया।

इस अवसर पर अर्जुन उपाध्याय, संत जी मिश्र, रत्नेश चौहान, विजय कुमार पांडेय, उमेश कुमार, आत्मजीत सिंह, अमरदीप, अनिल पाण्डेय, इरशाद अहमद, अजय कन्नौजिया आदि उपस्थित रहे।

बदमाशो से पुलिस की मुठभेड़, एक बदमाश के पैर में लगी गोली

संवाददाता–बहराइच। बहराइच लखनऊ हाईवे के गजाधरपुर गांव के पास फखरपुर थाने की पुलिस, एसओजी मंदिर की संयुक्त टीम की बाइक सवार तीन बदमाशो से मुठभेड़ हो गई। फरार होने की कोशिश में एक बदमाश ने पुलिस टीम पर गोली चलाई। जवाबी गोली बारी में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। घायल सहित दो बदमाश गिरफ्तार किए गए है। घायल का नाम असलम बताया जा रहा है। एक बदमाश फरार हो गया है। इन बदमाशो ने तीन नम्बर की रात फखरपुर थाने के गजाधरपुर मंदिर परिसर में स्थित पांडेय ज्वैलर्स प्रतिष्ठान का शटर व चार सीसीटीवी कैमरे काट लगभग तीस किग्रा चांदी व 70 ग्राम सोने के आभूषण, कुछ नगदी गायब कर दी थी। लुटेरों ने दुकान में लगे चारो सीसीटीवी कैमरे तोड़ अपने साथ ले गए। डीवीआर में सीसीटीवी फुटेज कैद हुई थी। आधी रात बाद महंथ ने सराफा कारोबारी को इसकी जानकारी दी। कारोबारी ने मौके पर पहुंच डायल 112 को जानकारी दी थी। डायल 112 ने मौके पर पहुंचकर इसकी जानकारी थाने की पुलिस को दी। तो हड़कंप मच गया। बदमाश 15 लाख से अधिक की संपत्ति ले गए थे। एएसपी सिटी रामानंद प्रसाद कुशवाहा ने फोरेंसिक टीम के साथ मामले की बारीकी से जांच की थी। तत्कालीन एसपी वृंदा शुक्ला ने तत्कालीन एसएचओ अभिनव प्रताप सिंह को लाइन हाजिर कर दिया गया था। घायल बदमाश को जिला अस्पताल में भर्ती कर इलाज कराया जा रहा है।

सड़क किनारे मिला महिला का अधजला शव

संवाददाता–देवरिया। जिले के भटनी थाना क्षेत्र के भाटपाररानी–भिंगारी मार्ग पर पकड़ी बाबू कांटा के निकट गुरुवार की सुबह अज्ञात महिला का अधजला शव मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पाकर पहुची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए जुट गई है। भाटपाररानी थाना क्षेत्र के पकड़ी बाबू गांव के आगे भिंगारी मार्ग पर खामपार थाना व भाटपाररानी थाना के सीमा पर सिरसिया कांटा के समीप पुलिया के पास महिला का अधजला शव पड़ा था। सुबह खेत की ओर गए ग्रामीणों ने देखा तो शोर किया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना भाटपाररानी पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुची पुलिस शव की पहचान कराने में जुट गई। महिला का शरीर आधा जल गया है। चेहरे जलने से उसकी पहचान नही हो पा रही है। पुलिस फोरेसिंक टीम व खोजी कुत्ता को सूचना दी है।

रंग लायी पूर्व विधायक संजय प्रताप की पहलः सोलह करोड, नौ लाख की लागत से होगा फ्लाई ओवर का निर्माण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रूधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल की पहल रंग लायी। बस्ती रेलवे स्टेशन के पूर्वी फाटक पर फ्लाई ओवर का निर्माण के लिये धन स्वीकृत हो गया है।

पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने यह जानकारी देते हुये बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा सोलह करोड, नौ लाख चौतीस हजार रूपया स्वीकृत हो गया है। इस उपरिगामी सेतु का निर्माण हो जाने से लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। संजय प्रताप ने बताया कि उन्होने इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से पत्राचार किया था। इस पर उत्तर प्रदेश शासन के अनु सचिव अभय प्रताप श्रीवास्तव ने

बताया है कि राज्यपाल ने फ्लाई ओवर के निर्माण की स्वीकृति दे दिया है।

पूर्व विधायक संजय जायसवाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि रेलवे स्टेशन बस्ती के पूर्वी समपार फाटक पर फ्लाई ओवर का निर्माण कराया जाय क्योकि ट्रेनो के संचालन के दौरान पुरानी बस्ती क्षेत्र के पाण्डेय बाजार में प्रतिदिन लोग लम्बे जाम का सामना करते है। इससे जरूरतमन्द आम जनता को अस्पताल, स्कूल, कालेज, कचहरी आदि स्थानों पर समय से पहुंचने में बाधा उत्पन्न होती है। पूर्व विधायक संजय प्रताप की पहल पर रेल उपरिगामी सेतु को स्वीकृति मिल गई है। अब निर्माण पूरा होने के साथ ही लोगों को जाम से मुक्ति मिल सकेगी। उन्होने स्वीकृति के लिये मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि इस निर्णय से क्षेत्रवासियों को काफी राहत मिलेगी।

सेन्ट्रल एकेडमी में दो दिवसीय वार्षिक क्रीडा समारोह का पुरस्कार वितरण के साथ समापनः छात्रों में दिखा क्रिसमस का उल्लास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेन्डरी स्कूल के दो दिवसीय वार्षिक क्रीडा समारोह का बुधवार को रंगारंग समापन हुआ और विजेता खिलाडियों को पुरस्कृत किया गया। इसी कड़ी में क्रिसमस का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया।

मैनेजिंग डायरेक्टर सीमा तिवारी, प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी, उप निदेशक अनुज तिवारी ने चेन गेम, फिल इन द बास्केट, पिकप द बाटल, स्नेक रेस, रस्साकशी, चेन, बनाना रेस में राजश्री तिवारी, अश्किया, अन्वी, अतुल, प्रिशा, तेजस, अक्षित, वैश्णवी, निशिता, अर्नव उज्जवल, वैष्णवी, श्रेष्ठी, विरेश, अनन्या, सात्विक, श्रेया, कनक, अर्नव, जूनियर किकेट प्रतियोगिता में ऋतिक, हेमन्त, आयुष, श्री, अथर्व, आर्यन, यश, क्रिकेट सीनियर वर्ग में आशुतोष, हर्षित, प्रियांशु, ऋतुराज, आदित्यनाथ, अमरनाथ, समृद्ध, श्रेयांश, अर्चित, कबड्डी व्यायज में शिवांश, रौनक, जैस, सर्वेश, ऋतुराज, प्रिन्स, शिवाकान्त, अर्चित, अश्विनी, गर्ल्स

कबड्डी में सृष्टि, आदि श्री, मानसी, साक्षी, खुशी, अल्का और गरिमा, मानवी को मेडल, शील्ड और प्रमाण–पत्र देने के साथ ही विजेता टीम को ट्राफी दिया। कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग है और सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेन्डरी स्कूल में छात्रों का सर्वांगीण विकास प्राथमिकता है। बच्चों को क्रिसमर्स पर्व के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि क्रिसमस प्रेम, शांति, और भाईचारे का संदेश देता है. यह लोगों को आपसी सहयोग, दया और करुणा की भावना को अपनाने के लिए प्रेरित करता है. क्रिसमस का त्योहार प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने बताया कि दो दिवसीय वार्षिक क्रीडा समारोह को सम्पन्न कराने में आबिद अरशद, साक्षी, उन्नति, सुधा, दया, सुनीता, ऋचा, अरीबा, हिमांशु, निखिल, द्विजेन्द्र आदि ने योगदान दिया।

रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर, नीफा ने वृद्धाआश्रम में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर और नीफा द्वारा क्रिसमस के मौके पर बनकटा स्थित वृद्धाश्रम में वृद्ध जनों में खाद्य सामग्री वितरण के साथ ही निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कुल 75 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनमें निःशुल्क औषधि का वितरण किया गया। वरिष्ठ चिकित्सक रोटेरियरन डा. वी.के. वर्मा ने इस मौके पर कहा कि ठंड के दिनों में वृद्ध जनों में बीमारियां बढ जाती है। इसे देखते हुये प्रति वर्ष क्रिसमस के मौके पर वृद्धा आश्रम में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है जिससे वृद्ध जन स्वस्थ रहे।

–75 मरीजों का परीक्षण कर किया खाद्य सामग्री का वितरण

वृद्धा आश्रम में रोटेरियन डा. वी. के. वर्मा, डा. श्याम नरायण चौधरी, डा राजेश कुमार वर्मा ने ब्लड प्रेशर, शुगर, वजन सहित विभिन्न जांच कर दवा उपलब्ध कराया। शिविर के संचालन में रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर अध्यक्ष अशोक शुक्ला , सचिव किशन कुमार गोयल, राम दयाल चौधरी , प्रतिभा गोयल के साथ ही नीफा के सदस्यों ने योगदान दिया।

साइबर ठगी के दो अंतरराज्यीय आरोपियों को पुलिस ने दबोचा, चार दुकानदारों को बनाया था निशाना

संवाददाता–बलरामपुर। साइबर ठगी करने वाले दो अंतरराज्यीय आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया है। दोनों के पास से 60 हजार रुपये नकदी, चार मोबाइल व कूटरचित दस्तावेज बरामद किए गए हैं। एसपी विकास कुमार ने बृहस्पतिवार को घटना का खुलासा करते हुए बताया कि फुलवरिया बाइपास विशुनापुर निवासी आनंद कुमार ने 25 अक्तूबर 2024 को तहरीर दी थी।

तहरीर में बताया था कि उन्हें व उनके मित्र विनय तिवारी को फर्जी प्रपत्र देकर साइबर अपराधियों ने पोषण ट्रैकर एप से गर्भवती को छह हजार रुपये देने का झांसा दिया और उनके खाते से 20 हजार रुपये ठग लिए। आनंद का बैंक खाता भी फ्रीज हो गया। साइबर अपराधियों ने इसी तरह से अजीत मोबाइल शॉप, मिश्रा सीएससी सेंटर व आराध्या मोबाइल शॉप भगवतीगंज से भी ठगी किया।

एसपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर साइबर क्राइम थाना बलरामपुर में मुकदमा पंजीकृत किया गया। एएसपी योगेश कुमार के नेतृत्व में सीओ यातायात डीके श्रीवास्तव एवं प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम थाना आरपी यादव की टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। बृहस्पतिवार को हादुरापुर पेट्रोल पंप के पास से अंतर राज्यीय साइबर अपराधी सच्चिदानंद मंडल निवासी झिलुआ जगदीशपुर थाना बुढई जनपद देवघर झारखंड तथा दीपक वर्मा निवासी झूरीकुइंया थाना खरगूपुर जनपद गोंडा को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों के पास से 60 हजार नकदी के साथ घटना में प्रयुक्त चार मोबाइल, चार कूटरचित आधार कार्ड व पांच कूटरचित आधार कार्ड की छायाप्रति बरामद की गई।

पूछताछ में सच्चिदानंद मंडल ने बताया कि मेरे गांव झिलुआ जगदीशपुर के 20 लड़के साइबर ठगी करते हैं। मेरे मौसी की शादी दीपक वर्मा के गांव झूरीकुइंया में हुई है। मौसी के यहां आता रहता हूं। इस दौरान दीपक से दोस्ती करके उसे साइबर ठगी में शामिल कर लिया।

दोनों ने मिलकर जिले के चार दुकानदारों से 98 हजार 999 रुपये की ठगी की है। दोनों दिसंबर 2023 में झारखंड के साइबर थाना गिरीडीह में ठगी के मामले में जेल जा चुके हैं। झारखंड में अपराध करके बलरामपुर व बलरामपुर में अपराध करके झारखंड भाग जाते हैं। सच्चिदानंद व दीपक वर्मा के विरुद्ध झारखंड व बलरामपुर के साइबर थाने में ठगी के चार–चार मामले दर्ज हैं।

प्रेमिका के बंद कमरे में फंदे से लटका मिला युवक

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र में विवाहित प्रेमिका से मिलने गया युवक पकड़े जाने व बदनामी के डर से प्रेमिका के कमरे में गमछे का फंदा बनाकर लटक गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने खिड़की तोड़कर युवक को नीचे उतारा,सांस चलता देख पुलिस ने उसे मेडिकल कालेज पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। प्रेमिका तीन बच्चों की मां बताई जा रही है,जबकि उसका का पति चेन्नई में कारपेंटर का काम करता है। मृतक की मां की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस ने आरोपिता के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, क्षेत्र के फुलवरिया निवासी बिन्द्रावती देवी ने तहरीर देकर बताया कि 25 दिसंबर की रात्रि लगभग दस बजे उसके छोटे बेटे शैलेन्द्र निषाद (24) को गांव के ही चन्द्रभूषण शर्मा की पत्नी प्रिती शर्मा ने प्रेम जाल में फंसाकर अपने घर बुलाया था। महिला के घर में घुसते समय ही गांव के कुछ युवकों ने देख लिया था। युवक के घर में घुसते ही आस पास के लोगों ने हल्ला मचा दिया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर महिला ने युवक को एक कमरे में बंद कर बाहर से ताला लगा दिया। महिला स्वयं बाहर आकर घर में किसी के भी घुसे होने से इनकार करने लगी । तब तक आस पास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

इसी बीच किसी ने डायल 112 नंबर पर फोन कर घटना की सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस के आने की जानकारी होने पर पकड़े जाने व बदनामी के डर से युवक ने गमछे का फंदा बनाकर पंखे से लटक गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से खिड़की तोड़कर युवक को नीचे फंदे से उतारा, तब तक युवक की सांस चल रही थी । इलाज के लिए बीआरडी मेडिकल कालेज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उधर युवक के मौत की सूचना मिलते ही प्रेमिका घर छोड़कर फरार हो गई। बताया जा रहा है कि युवक की शादी 1 जून 2025 को तय थी । मृतक के मां की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस ने प्रेमिका के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गोवा के पूर्व सीएम ने एक देश एक चुनाव का किया समर्थन, बोले- मोदी बांग्लादेश की समस्या भी सुलझा लेंगे

संवाददाता–अयोध्या। रामलला का दर्शन करने अयोध्या पहुंचे गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री लक्ष्मीकांत पारसेकर ने वन नेशन वन इलेक्शन का समर्थन किया है। लक्ष्मीकांत ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन से समय के साथ–साथ धन भी बचेगा। केंद्र सरकार का ये अच्छा फैसला है। चुनाव के दौरान जो समय और धन की बर्बादी होती है उसकी बचत होगी। बांग्लादेश में हो रही हिंदुओं की हत्या पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को इसकी चिंता है। हमारा शीर्ष नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी जिन्होंने राम मंदिर बनवाया, बांग्लादेश की समस्या को भी सुलझा लेंगे। मोदी है तो मुमकिन है। बाबा साहब आंबेडकर पर गृह मंत्री अमित शाह की कथित टिप्पणी पर लक्ष्मीकांत ने कहा कि यह विपक्ष का फ्रस्ट्रेशन है। राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी ने भाषण दिया उसमें से एक दो लाइन चुन के उसका बैकग्राउंड अंधेरे में रखकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास किया जा रहा है। यह सब कुछ जानबूझकर हो रहा है वह करने वालों को भी मालूम है। गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री परिवार के साथ रामलला के दर्शन करने अयोध्या पहुंचे थे।

एक जनवरी से बढेगी रामलला के दर्शन की अवधि

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी में श्रद्धालुओं की भीड़ तेजी से बढ़ रही है। बुधवार को शाम सात बजे तक 1.05 लाख भक्तों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई है। 25 दिसंबर को क्रिसमस की छुट्टी होने के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। आलम यह रहा कि वीआईपी दर्शन के सभी स्लॉट सुबह 11:00 बजे तक ही फुल हो गए थे। नववर्ष यानी एक जनवरी को भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसको देखते हुए एक जनवरी को राम मंदिर ट्रस्ट रामलला की दर्शन अवधि में एक घंटे की वृद्धि करने की योजना बना रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने कहा कि प्रयागराज में आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत को देखते हुए ट्रस्ट ने निर्णय लिया है कि रामलला के दर्शन का समय एक जनवरी से एक घंटे के लिए बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस साल 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद देश और दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बहुत व्यवस्थित व्यवस्था की गई है। सात प्रवेश मार्गों का इस्तेमाल किया जाता है। यात्रियों की सुविधा के लिए वस्तुओं को रखने और उनके जूते–चप्पल रखने की व्यवस्था है। तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र में 2000 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। पेयजल और चिकित्सा की व्यवस्था है। इन सब सुविधाओं का लाभ उठाया जा सकता है। इसके बाद दर्शन के लिए प्रस्थान करते हैं।

सुरक्षा के बाद चार पंक्तियों से लोग जाते हैं। वहां पर रामलला के दर्शन बहुत दिव्यता से होते हैं। प्रतिदिन सुगमता पूर्वक तीन लाख लोग दर्शन कर सकते हैं। पंक्ति में रहकर नजदीक से दर्शन की व्यवस्था है। निकास मार्ग पर प्रसाद की व्यवस्था है। प्रत्येक श्रद्धालु जो यहां आता है, उसे प्रसाद मिलता है। प्रत्येक लाइन में बैठने के लिए बेंच भी है। तीन लाख लोग 40 से 45 मिनट में दर्शन कर सकते हैं। अब एक जनवरी से दर्शन की अवधि बढ़ाने का फैसला किया गया है। दर्शन की अवधि करीब एक घंटे और बढ़ाएंगे जिससे एक जनवरी को आने वाले श्रद्धालुओं और महाकुंभ में आने वाले भक्तों को सुविधा होगी।

बच्चे का अपहरण करने वाल गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। रामगढ़ताल इलाके के नया सवेरा से चाय की दुकान से बच्चे का अपहरण करने वाला आरोपी सुरेश यादव ने क्रिसमस पर ज्यादा भीड़ का फायदा उठाकर बच्चे को पास बुलाया और चॉकलेट व पानी–बताशा खिलाने का लालच देकर फरार हो गया। पुलिस ने पहले सीसीटीवी खंगाला लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी फिर मोबाइल लोकेशन से पता चला कि सुरेश रेलवे स्टेशन के पास है। तत्काल पुलिस वहां पहुंची और सभी प्लेटफॉर्म का निरीक्षण करने लगी। प्लेटफॉर्म नौ पर बच्चे के साथ सुरेश ट्रेन के इंतजार में खड़ा था। महिला के पहचानते ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। अगर थोड़ी देर होती तो वह ट्रेन से गोंडा निकल जाता। आरोपी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह भी महिला की चाय स्टॉल पर काम करता था। उसी घर पर रहता भी था, लेकिन इधर महिला उसे बात–बात में फजीहत करने लगी। किसी के सामने डांट देती थी। उसे कई बार समझाया पर नहीं मानी तो उसे सबक सिखाने के लिए बच्चे को ले भागने का प्लान बनाया। शाम से ही वह बच्चे के अपहरण के फिराक में था। महिला कहीं गई थी और स्टॉल पर सिर्फ उसकी बेटी थी तभी पहुंच गया और उसके बेटे प्रशांत को गोद में लेकर निकल लिया। वह उसे लेकर गोंडा में अपने गांव जाने वाला था। स्टेशन पहुंचने के बाद मोबाइल स्वीच ऑफ कर लिया था। रामगढ़ताल के एसओ चितवन कुमार ने बताया कि आरोपी की पहचान सिर्फ महिला ही कर सकती थी। स्टेशन पर टीमें लगी थीं, महिला ने दूर से ही पहचान लिया वरना वह ट्रेन से भागने की फिराक में था। रेलवे स्टेशन पर तीन साल के बेटे प्रशांत को सीने से लगाकर साधना रोने लगी। इसके बाद फोन कर पति को सूचना दी। पति हैदराबाद में प्राइवेट नौकरी करता है। साधना ने बताया कि प्रशांत काफी मन्नत के बाद तीन बेटियों के बाद हुआ था, अगर नहीं मिलता तो पति को क्या जवाब देती। साधना ने बताया कि उसकी तीन बेटियां सपना (13), साक्षी (10) और रिया (6) के बाद प्रशांत का जन्म हुआ। उसके स्टॉल पर आरोपी युवक दो साल से काम करता था। पहले वह हैदराबाद में पति के साथ काम करता था और फिर गोरखपुर आ गया। इसलिए उसे जानती थी। पति ने यहां चाय और पकौड़े का स्टॉल खोला। इसे मैं देखने लगी और आमदनी भी होने लगी। सुरेश यहां रहकर काम करने लगा। वह काम पर लेट से आता और बिना बताए चला जाता था। इसलिए डांट देती थी। मुझे पता नहीं था कि वह अंदर ही अंदर नाराज चल रहा है। शाम को क्रिसमस के चलते भीड़ ज्यादा थी। इसी का फायदा उठाकर शाम सात बजे बच्चे को लेकर भाग गया। महिला जब रिपोर्ट दर्ज कराने नया सवेरा स्थित चौकी पर पहुंची तो फोन से फिरौती मांगने की सूचना दी। पहले तो पुलिस को यकीन नहीं हुआ, लेकिन थोड़ी देर में दोबारा फोन आया और पुलिस के सामने ही सुरेश ने पांच लाख की मांग की तो पुलिस भी सन्न रह गई। इसकी सूचना तत्काल एसओ चितवन को दी और उन्होंने एसपी सिटी अभिनव त्यागी को दी। फिर तीन टीमें बनाई गई और दो घंटे की मशक्कत के बाद आरोपी पकड़ लिया गया। बच्चे को वापस देखकर साधना की जान में जान आई।

प्लास्टिक बैग में मिला युवती का शव, झाड़ियों में पड़ा था

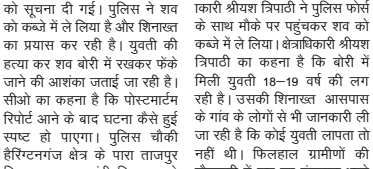

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या जिले के थाना इनायतनगर अंतर्गत पारा ताजपुर में कस्तूरबा गांधी विद्यालय के पास झाड़ियों में अज्ञात युवती का शव मिला है। शव प्लास्टिक के बोरी में स्थानीय लोगों को दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और शिनाख्त का प्रयास कर रही है। युवती की हत्या कर शव बोरी में रखकर फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। सीओ का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद घटना कैसे हुई स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस चौकी हैरिंग्टनगंज क्षेत्र के पारा ताजपुर स्थित कस्तूरबा गांधी विद्यालय के पास झाड़ियों में शौच करने गए लोगों को एक प्लास्टिक की बोरी दिखाई दी। इससे बहुत दुर्गंध आ रही थी। झाड़ियों के बीच में बोरी में कुछ पड़ा होने की जानकारी होते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों को प्लास्टिक की बोरी में युवती का शव दिखाई दिया। ग्रामीणों ने मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। संदिग्ध परिस्थितियों में बोरी में शव मिलने की जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी वीरेंद्र कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली इनायत नगर देवेंद्र पांडेय और क्षेत्राधिकारी श्रीयश त्रिपाठी ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। क्षेत्राधिकारी श्रीयश त्रिपाठी का कहना है कि बोरी में मिली युवती 18–19 वर्ष की लग रही है। उसकी शिनाख्त आसपास के गांव के लोगों से भी जानकारी ली जा रही है कि कोई युवती लापता तो नहीं थी। फिलहाल ग्रामीणों की मौजूदगी में शव का पंचनामा भरने के बाद शव मोर्चरी हाउस भेजवा दिया गया है। मोर्चरी हाउस में 72 घंटे तक शव को शिनाख्त के लिए रखवाया जाएगा। शिनाख्त न होने पर शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद अंतिम संस्कार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फंदे से लटके मिले बुजुर्ग और युवक के शव, सजा काट रहे बंदी ने अस्पताल में तोड़ा दम, पुलिस कर रही जांच

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में तीन अलग–अलग क्षेत्रों में बंदी समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक वृद्ध और एक युवक का शव फंदे से लटका मिला। जबकि बंदी की मौत बीमारी से होना बताया गया है। सभी मामलों में पुलिस जांच कर रही है। नगर कोतवाली क्षेत्र के देवकाली पुलिस चौकी के बगल रहने वाले बैजनाथ गुप्ता (65) पुलिस चौकी के बगल ही सब्जी की दुकान चलाते थे। परिवार में उनकी पत्नी के अलावा तीन बेटे और दो बेटी हैं। बुधवार को भी वह सब्जी की दुकान लगाए थे। शाम को भोजन करके वह अपने कमरे में सोने चले गए।

सुबह सोकर नहीं उठे तो परिजनों को संदेह हुआ और पुलिस को सूचित किया। मौके पर आई पुलिस ने दरवाजा तोड़वाकर देखा तो उनका शव फंदे से लटकता मिला। उपनिरीक्षक अनुराग पाठक ने बताया कि परिजनों ने किसी तरह का संदेह नहीं जताया है। मामला आत्महत्या का लग रहा है।

दूसरी घटना कैंट कोतवाली क्षेत्र के सदर बाजार में हुआ है। यहां रहने वाले मो. सद्दाम (32) सदर बाजार में ही किराना की दुकान चलाते थे। उनकी शादी नहीं हुई थी। बुधवार की रात को वह भोजन करके दूसरी मंजिल स्थित अपने कमरे में सोने चले गए। देर तक सोकर नहीं उठे तो परिजनों ने उनके कमरे का दरवाजा तोड़वाया और शव नीचे उतरवाया। थाना प्रभारी अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि परिजनों के अनुसार मृतक पिछले दो–तीन से अवसाद में था। अवसाद के कारणों की जांच की जा रही है।

नगर कोतवाली क्षेत्र के ककरही बाजार निवासी सुनील कुमार धोखाधड़ी के आरोप में 19 जुलाई से मंडल कारागार में निरुद्ध थे। वह एक असाध्य रोग से ग्रसित थे। कारागार में दाखिल होने के बाद से ही उनका लगातार इलाज चल रहा था। कारागार प्रशासन के अनुसार बुधवार की भोर में लगभग तीन बजे उनकी तबियत अचानक खराब हुई, उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच लगभग पांच बजे इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं, घटना के बाद मृतक के परिजन जिला अस्पताल और पहुंचे और मौत पर संदेह जताया। मृतक की पत्नी रेनू ने बताया कि वह मृतक से मिलने जेल में जाती थीं, वह उस समय ठीक थे। अचानक से उनकी मौत हो गई और इसकी सूचना उन्हें देर से दी गई। उन्होंने मामले की जांच कराने के लिए मुख्यमंत्री से मांग की है।

वरिष्ठ जेल अधीक्षक उदयप्रताप मिश्रा ने बताया कि बंदी असाध्य रोग से ग्रसित था और एनीमिया भी हो गया था। लगातार उनका इलाज कराया जा रहा था। इसकी जानकारी परिजनों को भी थी। वह लगातार मिलने आते थे। मजिस्ट्रेट की निगरानी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल अपील सं0–40/2024
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
परमात्मा प्रसाद आदि
बनाम
अशोक कुमार श्रीवास्तव (मृतक) आदि
1/1 सन्दीप कुमार श्रीवास्तव उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र स्व0 अशोक कुमार श्रीवास्तव 2. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्र स्व0 अशोक कुमार श्रीवास्तव निवासीगण ग्राम सिंगही तप्पा कनैला परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती हाल मुकाम मिठाई का हाता पोस्ट व मुकाम उत्तरी जटेपुर गोरखपुर
–रेस्पान्डेन्ट्स प्रथम वर्ग/प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
2– श्रीमती इन्द्रावती देवी उम्र लगभग 35 वर्ष पत्नी श्री ज्ञानेन्द्र चौधरी एडवोकेट निवासी ग्राम बरईजोत तप्पा बस्ती पूरव परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती
–रेस्पान्डेन्ट्स द्वितीय वर्ग/प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 06–01–2025
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 06 महीना 01 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–95/2016
मोहम्मद सफी आदि
बनाम
जमील अहमद आदि
2/1. नजरूननिशां उम्र 52 साल बेवा पत्नी जलील अहमद 2/2 सादिक रजा उम्र 28 साल 2/3 मोहम्मद साहिद रजा उम्र 22 साल पुत्रगण जलील अहमद 2/4 कु0 जोया तबस्सुम उम्र 19 साल पुत्री जलील अहमद सभी निवासीगण नई बाजार सुर्ती हट्टा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती पिन कोड–272002
तारीख पेशी 20–01–2025
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 20 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

दिन में निकली धूप ने दी राहत

संवाददाता–संतकबीरनगर। गुरुवार को सुबह से निकली धूप ने ठंडी से राहत दी। दिन में चटख धूप निकली। तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के साथ पूर्वांचल में मौसम का मिजाज बन और बिगड़ रहा है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
अपील सं0 807 /2024
धारा 11 सी0एच0एक्ट
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी बस्ती जिला–बस्ती
वीरेन्द्र प्रताप सिंह
बनाम
सरकार उ0प्र0 आदि
बावत मौजा कलवारी मुस्तहकम तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती
1. सरकार उ0प्र0 2. राजेश कुमार 3. अनिल कुमार पुत्रगण संकटा प्रसाद सिंह 4. अविनाश सिंह 5. राणा प्रताप सिंह पुत्र अयोध्या प्रसाद सिंह 6. भानु प्रताप सिंह पुत्र लाल साहब सिंह साकिनान मौजा कलवारी मुस्तहकम तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 15–01–2025
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

दिगंबर अखाड़ा में मिला साधु का शव, सिर से बह रहा था खून

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में प्रतिष्ठित पीठ दिगंबर अखाड़ा में एक साधु की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। साधु अखिलेश्वर दास करीब तीन दशक से दिगंबर अखाड़ा में रह रहे थे। वे मंदिर आंदोलन के महानायक साकेतवासी रामचंद्र दास परमहंस के शिष्य थे। बृहस्पतिवार की सुबह उनका शव उनके कमरे में पाया गया। दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा तोड़ा गया तो वे बिस्तर से नीचे गिरे थे। सूचना पर आई पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। मृतक के सिर से खून बह रहा था। सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया कि मृतक साधु का वजन करीब डेढ़ क्विंटल था। उतते समय वे लड़खड़ाकर गिर गए होंगे। इससे उनके सिर में चोट आई है। हेड इंजरी से मौत की संभावना लग रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा। मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
मुकदमा सं0 /2021
धारा 116 उ0प्र0रा0सं 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय हर्रैया जिला–बस्ती
श्रीमती कुसुम आदि
बनाम
श्रीमती सोना देवी आदि
1. श्रीमती सोना देवी पत्नी शोभीलाल निवासी ग्राम बरदिया कुंवर तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. श्रीमती गायत्री शुक्ल पत्नी अखण्ड प्रताप शुक्ल निवासी ग्राम बेलाडे शुक्ल तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. राकेश पाण्डेय पुत्र शुभकरन पाण्डेय निवासी ग्राम बड़हरकला तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 4. पारसनाथ पाण्डेय पुत्र रामकृपाल पाण्डेय निवासी ग्राम बड़हरकला तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 5. जनार्दन पाण्डेय पुत्र रामकृपाल पाण्डेय निवासी ग्राम बड़हरकला तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 6. अध्यक्ष ग्राम पं0 बड़हरकला तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 7. सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी महोदय बस्ती जनपद–बस्ती
तारीख पेशी 28–12–2024
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
मुकदमा सं0 /2021
धारा 116 उ0प्र0रा0सं 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय हर्रैया जिला–बस्ती
महेश कुमार आदि
बनाम
श्रीमती सोना देवी आदि
1. श्रीमती सोना देवी पत्नी शोभीलाल निवासी ग्राम बरदिया कुंवर तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. श्रीमती गायत्री शुक्ल पत्नी अखण्ड प्रताप शुक्ल निवासी ग्राम बेलाडे शुक्ल तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. जनार्दन पाण्डेय पुत्र रामकृपाल पाण्डेय निवासी ग्राम बड़हरकला तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 4. पारसनाथ पाण्डेय पुत्र रामकृपाल पाण्डेय निवासी ग्राम बड़हरकला तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 5. अध्यक्ष ग्राम पं0 बड़हरकला तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 6. सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी महोदय बस्ती जनपद–बस्ती
तारीख पेशी 28–12–2024
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

10 दिन में उपभोक्ताओं ने 1 करोड़ 5 लाख का राजस्व किया जमा

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में चल ही बिजली विभाग की ओटीएस योजना अब उपभोक्ताओं को लुभा रही है। इस योजना को प्रारंभ हुए महज दस दिन ही हुए हैं, लेकिन अब तक करीब 6116 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण करवा कर 1 करोड़ पांच लाख रूपये राजस्व के रूप में जमा भी किया है। वहीं जिले स्तर के अधिकरी प्रतिदिन इस योजना के बारे में लोगों को जानकारी देने के लिए क्षेत्र में निकल रहे हैं। अब इसका असर भी दिखने लगा है।

पावर कार्पोरेशन ने बीते 15 दिसंबर से 31 जनवरी तक एक मुश्त समाधान योजना चलाने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत उपभोक्ताओं के बिल में लगे सरचार्ज की शतप्रतिशत माफी की जा रही है। लेकिन कनेक्शनधारक को एकमुश्त बिल जमा करना होगा। वहीं तीन चरणों में भी पंजीकरण करवाने के बाद धनराशि जमा करने का प्राविधान इस योजना में है। जिससे कि इसका लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा। गांव व नगर स्तर पर संबंधित विभागीय अधिकारी कैंप लगाकर लोगों के बिल जमा कर रहे हैं। जनपद में महज दस दिनों में 1 करोड़ पांच लाख रूपये जमा किए गए हैं। इतना ही नहीं 6116 उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ लेने के लिए पंजीकरण भी करवाया है।

अधीक्षण अभियंता रमेश कुमार सिंह व अधिशासी अभियंता राजेश कुमार ने धनघटा तहसील क्षेत्र के हैंसर बाजार, पौली व नेतवा तिराहे पर लगे कैंप का निरीक्षण किया। यहां पर एसडीओ लक्ष्मण प्रसाद, अवर अभियंता राम करन उपभोक्ताओ का बिल को ठीक करने के साथ ही योजना के बारे में जानकारी दे रहे थे। वहीं मुखलिसपुर में एसडीओ कौशल किशोर व अवर अभियंता अजय कुमार ने कैंप लगाया। यहां पर भी एसी के द्वारा निरीक्षण किया गया। लेकिन अब तक सबसे अधिक मामले बिल में गड़बड़ी को लेकर उपभोक्ता कैंप में पहुंच रहे हैं। जिसे संबंधित अधिकारी निदान भी कर रहे हैं।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com